ब्रिटिश कम्पनी का फ्रांसीसियों पर विजय का कारण —

1740 से 1760 के मध्य की तीन लड़ाइयों के अन्त तक ओते-ओते फ्रांसीसी कम्पनी ब्रिटिश के समक्ष निर्णायक रूप से पराजित हो गयी। अंग्रेजों की जीत और फ्रांसीसियों के हार के निम्न कारण महत्वपूर्ण थे —

(i) फ्रांसीसियों की तुलना में अंग्रेजों के पास युद्ध के निर्णायक पड़ाव के समय ज्यादा कुशल नेतृत्व था।

(ii) फ्रांसीसियों के पास पाण्डीचेरी था जबकि अंग्रेजों ने अपना केन्द्र बंगाल को बनाया जो ज्यादा लाभदायक था।

Scanned with CamScanner

(iii) फ्रांसीसी कम्पनी वहाँ के सरकार की कम्पनी थी और सरकार न तो भारत में ज्यादा रुचि रखती थी और न ही उसे भारतीय परिस्थितियों का ज्ञान था। इसलिए उसने डुप्ले जैसे योग्य नेता को भी भारत से वापस बुला लिया था। इसके समानान्तर ब्रिटिश कम्पनी का पूरा ध्यान भारत पर केन्द्रित था और उनकी संस्था स्वायत्त थी। इसलिए वो परिस्थितियों के मुताबिक बेहतर निर्णय कर सकने की स्थिति में थे।

(iv) अंग्रेजों के पास फ्रांसीसियों की तुलना में नौसेना के स्तर में बढ़त थी इसके कारण युद्ध के निर्णायक दौर में फ्रांसीसियों की फ्रांस से आती हुई सहायता को ये भारत तक पहुँचने ही नहीं दिये।

आर्थिक एकीकरण — 18वीं सदी के मध्य के दौरान भारत में आर्थिक एकता का स्तर बहुत ही सामान्य था। प्राचीन काल से ही चली आ रही उ०, द०, पू०, प० के व्यापारिक सम्पर्क के कारण कुछ समानता जरूर थी लेकिन विविधता के कई बिन्दु दृष्टिगत होते हैं जैसे कि मौद्रिक नीति एक नहीं थी। कोई एक बैंक व्यवस्था नहीं थी। कर की प्रणाली भी विविध थी। अलग-अलग क्षेत्रों की उपभोक्ता अभिरुचियाँ भी बहुत अलग थी। यातायात के साधनों की कमी के कारण व्यापारिक नेटवर्क भी कमजोर था।

Scanned with CamScanner